Regarding waterlogging in several areas of Delhi

श्री योगेन्द्र चांदोलिया (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान दिल्ली में हो रहे जल भराव की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं । दिल्ली में लगभग ढाई करोड़ की आबादी है और पिछले मानसून सत्र के आने के बाद से दिल्ली के लोग इस जल भराव के कारण, जो दिल्ली सरकार की असफलता है, दिल्ली नगर-निगम की असफलता है, घंटों तक जल भराव रहता है । इस जल भराव के कारण राजेन्द्र नगर के अंदर तीन छात्रों की मौत हो गई है । किराड़ी में एक व्यक्ति की मौत हुई । सिरसपुर में डूबने से दो बच्चों की मौत हुई । उस्मानपुर में जलभराव के कारण दो बच्चों की मौत हुई है । मैं उत्तर-पश्चिम दिल्ली लोक सभा क्षेत्र से चुनकर आया हूं ।

महोदय, मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जो रोड दिल्ली-रोहतक रोड के नाम से जानी जाती है, दिल्ली से लोग बहादुरगढ़, हरियाणा और पंजाब तक जाते हैं । इसी प्रकार से दिल्ली-रोहतक रोड के माध्यम से लाखों की संख्या में लोग वहां से आते हैं, टीकरी गांव से लेकर पीरागढ़ी तक उसकी हालत खराब है । कल रात को बारिश हुई थी, आज भी वहां तीन-तीन, चार-चार फुट तक पानी भरा हुआ है । दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम की लापरवाही के कारण वहां पर लोग समस्याओं से जूझ रहे हैं । कोई भी व्यक्ति दो-दो घंटे तक दो किलोमीटर्स से ज्यादा आगे नहीं बढ़ पा रहा है । घेवरा, मुंडका, ज्वालापुरी, नांगलोई और राजधानी पार्क में आज भी तीन-तीन फुट तक पानी भरा हुआ है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि जो संबंधित विभाग के मंत्री हैं, वे इसको देखें और इस समस्या से लोगों को निजात दिलाएं । दिल्ली सरकार की लगभग 190 करोड़ रुपये की नालों और सड़क से संबंधित योजना है, दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक न होने के कारण वह योजना पास नहीं हो पा रही है, जिस वजह से दिल्ली के लोग जूझ रहे हैं ।

महोदय, मेरा आपसे आग्रह है कि संबंधित विभाग के जो माननीय मंत्री हैं, वे इस पर आवश्यक कार्रवाई करें । आपने मेरी बात ध्यान से सुनी है । यह पूरी दिल्ली की समस्या है, दिल्ली के लोगों को नर्क का जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है ।